विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे   www.vidarbhswabhiman.com   9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 3 से 9 अप्रैल 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 41 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

सिद्धीविनायक मंदिर में 133 करोड़ का चढ़ावा

लाखों भक्तों ने दिया है विघ्नहर्ता के चरणों में दान, दर्शन के साथ ही पूजा-अर्चना से आए हैं 20 करोड़

विदर्भ स्वाभिमान, 2 अप्रैल

मुंबई- देश में सनातन धर्म का झंडा जहां तेजी से बुलंद हो रहा है, वहीं धार्मिक पर्यटन को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है. इससे मंदिर के माध्यम से जहां सैकड़ों लोगों को रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर इन मंदिर संस्थानों द्वारा मानव सेवा की जो अलख जगाई जा रही है, उससे स्वार्थ के साथ ही परमार्थ में भी लोग किस तरह समर्पित हो रहे हैं, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है. लाखों भक्तों के आस्थास्थल के रूप में सुख्यात मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धि विनायक गणपति मंदिर की आय में इस साल 2024-25 में 16 फीसदी से अधिक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है.इस साल मंदिर में प्रसाद की विक्री में जहां 32 फीसदी से अधिक बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर हर दिन मंदिर ट्रस्ट द्वारा 10 हजार से अधिक लड्डू का वितरण आने वाले भक्तों को किया जाता है. इन भक्तों में मुंबई ही नहीं तो देश-विदेश से भी भक्त मंदिर में दर्शन करने के लिए आते हैं.

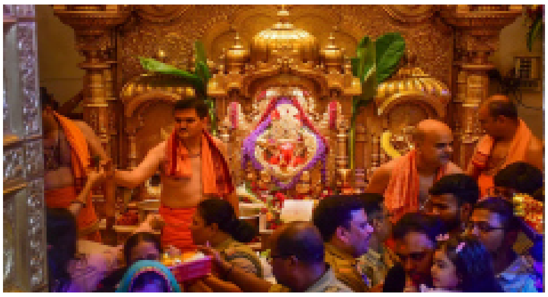

भक्तों का कहना है कि यहां दिल से की जाने वाली दुवाएं विघ्नहर्ता कबूल करते हुए अपने भक्तों की कामनाओं को पूरा करते हैं. मंदिर में मिलने वाले प्रसाद, जैसे लड्डू और नारियल वड़ी, की बिक्री में 32फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई. हर दिन मंदिर ट्रस्ट करीब 10,000 लड्डू भक्तों को वितरित. मंदिर ने इस साल 133 करोड़ रूपए की आय हुई है. इस साल गुड़ी पड़वा के मौके पर मंदिर ने सोने-चांदी की नीलामी से 1.33 करोड़ रुपये कमाए. पिछले साल गुड़ी पड़वा पर यह कमाई 75 लाख रुपये थी, यानी इस साल गुड़ी पाड़वा के दिन सोने-चांदी की नीलामी से मंदिर प्रबंधन को बेहतरीन प्रतिसाद मिला है. भक्त हर दिन बढ़ रहे हैं.

किडनी बेचने के फलक के साथ आंदोलन कर रहे तीन किसान

किडनी 75 तथा लीवर की कीमत रखी 90 हजार

विदर्भ स्वाभिमान,2 अप्रैल

वाशिम- राज्य में मौसम के दगा देने के साथ ही किसानों की उपज को भी समुचित कीमत नहीं देने की बात को लेकर अभी भी किसान आत्महत्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. इस बीच वाशिम जिले के तीन किसानों ने अपनी किड़नी बेचने का फलक लगाकर आंदोलन शुरू किया है. इनके मिलने पर वे अब अपनी किडनी बेचकर अपनी समस्या हल करने का प्रयास कर रहे हैं. आंदोलन कर रहे किसान सतीश इडोले के साथ तीनों ही किसानों ने किडनी की 75, लीवर 90 हजार तथा अपनी आंख की कीमत लगाई है. इससे भी कर्जमुक्ति नहीं होने पर पत्नी तथा बेटे की किडनी लेने की बात कही है.

आंदोलन को लेकर सर्वत्र हैरत के साथ ही आश्चर्य जताया जा रहा है. किसानों के मुताबिक उन्हों नें न्याय के लिए काफी प्रयास किया लेकिन कोई लाभ नहीं

बाबूजी के आदर्श विचार

ख़ुशियों के कुछ टिप्स

परिवार से बड़ी ताकत और परिवार से बड़ी कमजोरी नहीं हो सकती है. परिवार के हर सदस्य जब एकता के सूत्र में होते हैं तो बाहरी किसी की हिम्मत नहीं होती है. लेकिन यह अलग होने के बाद मुसीबतें लगातार बढ़ती हैं. परिवार की एकता जरूरी है.समझे तो ठीक रहेगा.

पेज नंबर 2
मोदी के नागपुर दौरे के हैं कई मायने

पेज नं.3
हर राजस्थानी व्यवसायी का हिफाजत हमारा फर्ज-एकनाथ शिंदे

पेज क्र.7
अष्ट सिद्धियों, 9 निधियों के दाता हैं संकटमोचन हनुमानजी महाराज

पेज नं. 8
अंबानगर में सर्वत्र भक्तिभाव का माहौल,कहीं हनुमान चालीसा तो कहीं हो रही है श्रीराम कथा

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 10वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

मोदी के नागपुर दौरे के मायने काफी अहम्

भाजपा नेता तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागपुर दौरे के कई मायने लोगों द्वारा निकाला जा रहा है. इसके साथ ही भाजपा की परिपाटी के मुताबिक पार्टी के 75 साल पूरा करने वाले नेताओं को आराम करने की सलाह दी जाती है. चूंकि मोदी सितंबर महीने में 75 साल के हो रहे हैं, ऐसे में उनके उत्तराधिकारी की तलाश किया जाना जरूरी है. अब मोदी के लिए पार्टी संविधान में बदलाव किया जाता है अथवा वे स्वयं ही लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरलीमनोहर जोशी जैसे नेताओं की तरह स्वयं ही उत्तराधिकारी चुनकर इस दिशा में आदर्श स्थापित करने का काम करते हैं. यह संकेत देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा मोदी के उत्तराधिकारी के बारे में किए गए सवाल के जवाब को भले ही टाल दिया गया हो लेकिन आगामी कुछ महीनों में भाजपा में भी कुछ हैरतवाला बदलाव होने के संकेत मिल रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर दौरे के दौरान जहां देव से देश, राष्ट्र से राम को भारत का मंत्र बताया वहीं दूसरी ओर उनके मुताबिक भारत विश्व की सबसे बड़ी ताकत तभी बन सकता है जब हम सभी एकता की डोर में बंधे रहे. रविवार को हिंगना मार्ग पर माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर के शिलान्यास कार्यक्रम में बोलते समय मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सेवा का पर्याय बताते हुए कहा कि कठिन स्थिति में भी संघर्ष जारी रखना ही भारतीय संस्कृति है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश को सदैव हम महत्व देता रहा है. संघ के कार्यकर्ता निष्पक्ष और निस्वार्थ भाव से समाज सेवा का कार्य करते रहते हैं. कहते हैं कि दिल से किया गया कोई भी कार्य कभी असफल नहीं होता है. उसका प्रतिफल किसी न किसी रूप में मिलता ही है.

नागपुर देवी के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि देश के नागरिकों ने कई क्रूर ताकतों को देखा 100 साल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वट वृक्ष बन गया है विचारों में प्रकल्पता के साथ ही आज संघ द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जिस तरह से सामाजिक कार्य किया जा रहा है वह अपने आप में न केवल सराहनीय बल्कि अनोखा गया है. नागपुर के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेशम बाग स्थित स्मृति मंदिर पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम सरसंघचालक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार तथा द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर को श्रद्धांजलि दी. वैसे भी कहते हैं कि राजनीति में कुछ भी संभव है लेकिन नागपुर का प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी का दौरा आगामी समय में कोई बड़ा भूचाल लाने से इंकार नहीं किया जा सकता है. आगामी दिनों में भाजपा की करवट का इंतजार करना पड़ेगा.

ट्रायल शीघ्र बदले हकीकत में तो अच्छा

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमरावती शहर तथा जिले का यह सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिले का विकास पिछड़ गया है. इसका कारण केवल हमारा नेतृत्व ही जिम्मेदार कहना गलत नहीं होगा. सांसद बलवंतराव वानखडे बेहतरीन इंसान हैं लेकिन केन्द्र में कांग्रेस की सरकार नहीं है, वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल बोंडे द्वारा प्रयास भले ही किया जा रहा है लेकिन जिले में ऐसा कोई बड़ा प्रकल्प नहीं आ सका है. हां जो कुछ मिला भी था, वह भी जाने वाली स्थिति है. भारत डायनामिक्स लि. की क्या स्थिति है, रेलवे वैगन कारखाना वर्षों से पूरा होने का नाम ही नहीं ले रहा है, इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाए. जबकि विदर्भ के नागपुर में जिस तरह से तेजी से विकास की गंगा बह रही है, उसे देखकर जलन के साथ ही हमारे यहां के नेतृत्व पर नाराजी और घृणा भी होती है. कई विधायक, दो-दो सांसद होने के बाद भी बेलोरा हवाई अड्डा वर्षों से अभी तक उपेक्षित रहा.

इस साल गुड़ी पाड़वा के दिन यहां से एअरअलायंस का विमान ट्रायल करके तो गया है लेकिन यहां से ट्रायल का यह सिलसिला कब तक चलता रहेगा, ऐसी चर्चा अगर लोगों में हो रही है तो आखिर गलत कहां हैं लोग. यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज आया है, बड़ी मुद्दतों के बाद इसकी घोषणा हुई है तो अब यहां चाहिए कि वहां चाहिए, इस बात को लेकर हमारे यहां के नेताओं में नूराकुश्ती शुरू हो गई है, इसका कारण क्या है,यह तो पता नहीं. लेकिन इस झगड़े का लाभ पड़ोसी कोई जिला उठाकर ले जाए तो हैरत वाली बात नहीं रहेगी.

विकासक स्पर्धा हो

हमारा मानना है कि मतभेद होना चाहिए लेकिन हमारा अहंकार अगर हमें जिन्होंने कुर्सी सौंपी है, उनके साथ घात जैसा हो तो निश्चित तौर पर नेताओं का यह व्यवहार समर्थनीय नहीं हो सकता है.जो आया है, उसे हासिल करने के साथ ही विजन रखने वाले को नेता कहते हैं लेकिन इसका दर्शन अमरावती जिले में दुर्लभ हो रहा है. शासकीय मेडिकल कॉलेज एक नेता ने लाया है तो निश्चित तौर पर सबको मिलकर एम्स लाने का प्रयास करना चाहिए. न कि अपना उल्लू सीधा करने के लिए मेडिकल कॉलेज की जगह को लेकर विवाद. करने वाले को उसका श्रेय मिलता ही है. लेकिन सत्यानाश करने की मानसिकता रखने वालों को प्रकृति किस रूप में दंड देगी, यह अमरावती जिले ने देखा है. किस तरह अति महत्वाकांक्षा और अत्याधिक अहंकार ने दिग्गजों को विधानसभा चुनाव में पानी पिलाया. ट्रायल नहीं बल्कि बेलोरा से नियमित यात्री उड़ान दिन के भीतर करने का प्रयास होना चाहिए.

स्व. सुगनबाई पुखराजजी गांग की स्मृती में सशक्त बुजुर्ग स्पर्धा 4 को

विदर्भ स्वाभिमान, 2 अप्रैल

अमरावती- आदर्श संस्कारों की जननी के साथ ही आनंद परिवार की प्रमुख मार्गदर्शक रहने वाली मातोश्री स्व.सुगनबाई पुखराजजी गांग की स्मृति में शुक्रवार 4 अप्रैल को बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच तथा उनके लिए सशक्त बुजुर्ग स्पर्धा का आयोजन डॉ. राजेंद्र गोडे कॉलेज, अमरावती में किया गया. इस स्पर्धा की तैयारी महाविद्यालय प्रबंधन तथा आनंद परिवार द्वारा की जा रही है. स्पर्धा में 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग शामिल हो सकेंगे. इसके साथ ही स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी बुजुर्गों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच भी कराई जाएगी.विजेताओं के लिए पुरस्कार भी रखा गया है. बुजुर्गों को खुशियां देने के साथ ही स्वास्थ्य जांच के माध्यम से उनकी स्वास्थ्य जांच के नेक उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया

गया है. पूरी तरह से स्वस्थ बुजुर्गों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार भेंट स्वरुप दिया जाएगा.आनंद परिवार की मातोश्री स्व.सुगनबाई गांग की द्वितीय स्मृती में यह सामाजिक उपक्रम आयोजित किया गया है. आनंद परिवार व डॉ. गोविंद कासट मित्रमंडल के सहयोग से यह आयोजन किया गया है.इसको लेकर बुजुर्गों में भी उत्साह देखा जा रहा है.पूर्व लेडी गव्हर्नर कमलताई गवई की अध्यक्षता में आयोजित समारोह के दौरान संस्था में पौधारोपण भी किया जाएगा. मौके पर डॉ.कमलताई गवई, आनंद परिवार के सुदर्शन गांग, अरूण कडू, प्रदीप जैन, डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल के डॉ.गोविंद कासट,संत गाडगेबाबा जेष्ठ नागरी मंडल के पी. टी. गावंडे,जयश्री शहाकार, श्रीकांत शेगोकार आदी मान्यवर उपस्थित रहेंगे. इस उपक्रम का अधिकाधिक बुजुर्गों से लाभ लेने का आग्रह आनंद परिवार एवं सहयोगी संस्था ने किया है. समयः शुक्रवार दि. 4 अप्रैल सुबह-9:30 से 12.30 बजे तक रखा गया है. डॉ राजेंद्र गोडे मेडिकल कॉलेज, मार्डी रोड, अमरावती में यह कार्यक्रम होगा. इस नई कल्पना और पहल की सर्वत्र सराहना की जा रही है.यह अभूतपूर्व सफल रहने का विश्वास

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

राजस्थान के मंत्री जाबरसिह खरा समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया का मंच पर सत्कार करते हुए. साथ में अन्य मान्यवर.

हर राजस्थानी व्यवसायी की हिफाजत करना हमारा धर्म है-एकनाथ शिंदे

राजस्थान जन्मभूमि लेकिन महाराष्ट्र हमारी कर्मभूमि-लप्पीभैया जाजोदिया

विदर्भ स्वाभिमान,2 अप्रैल

मुंबई- महाराष्ट्र में जितने भी राजस्थानी - हैं, जो यहां व्यापार करते हैं, उनकी हिफाजत करना हमारा धर्म है और वह हम निभाते हैं. ये बातें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राजस्थानी विकास मंच की ओर से रविवार को रेमंड मैदान में आयोजित राजस्थानी महोत्सव में कहीं. उन्होंने इस अवसर पर महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवजी महाराज की वीरता के नमन करते हुए कहा कि राजस्थानी और मराठी एक दूसरे की संस्कृति में घुल-मिल गए हैं. कार्यक्रम में राजस्थान के नगर विकास मंत्री जाबरसिंह खरा, सांसद नरेश महस्के, विधायक संजय केलकर, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, पूर्व विधायक रवींद्र फाटक, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले आदि उपस्थित थे. साथ ही संस्था के प्रमुख संरक्षक राकेश मोदी ने उपमुख्यमंत्री शिंदे और अन्य उपस्थित राजनेताओं के सामने ठाणे मनपा चुनाव में राजस्थानी समाज के पांच उम्मीदवारों को टिकट देने की मांग रखी. कार्यक्रम को सफल बनाने में ओमप्रकाश जाझुका, विजयकुमार बसावतीया, महेश जोशी, उदय परमार, महावीर शर्मा, प्रदीप गोयनका, चंद्रकुमार जाजोदिया, सुरेंद्र शर्मा, भूपेंद्र भट्ट, संदीप शर्मा सीए, बाबूसिंह राजगुरु, लक्ष्मीकांत मूंदड़ा और राजस्थान विकास मंच महाराष्ट्र के अध्यक्ष कपूर रामावत का विशेष योगदान रहा.इस समय अमरावती के समाज सेवक चंद्रकुमार जाजोदिया (लप्पीभैया) के विविध कार्यों के लिए सामाजिक सेवाओं के लिए राजस्थान के कैबिनेट मंत्री मा. जाबरसिह खरा जी ने उनका सत्कार किया. लप्पीभैया ने अपने अपने दो शब्दों में कहा कि राजस्थान हमारी जन्म भूमि है तो महाराष्ट्र हमारी कर्म भूमि है और इसके विकास के लिए हम कुछ भी कर सकते है.इस उपलक्ष्य में समारोह में रेमंड के प्रबंध निदेशक शांतिलाल पोखरणा को राजस्थान रत्न, संदीप माहेश्वरी, समाजसेवी और उद्योगपति अरुण जोशी, टिप टॉप होटल के निदेशक मनोजभाई शाह, भाजपा जैन प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश जैन, समाजसेवी देवीलाल पुरोहित, समाजसेवी जसाराम चौधरी को राजस्थान विभूषण, कलाकार अली-गनी, अंजना कोठारी, सरितासिंह राठौर, कुमारी याशी धर्म मेहता, पीयू चौहान को नारी शक्ति पुरस्कार और आर नितिन को महाराणा प्रताप शौर्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

विदर्भ स्वाभिमान
खुशियां देने से बढ़ती है

जीवन में प्रभु ने हमें निर्मल मन का भेजा था. लेकिन इसका सत्यानाश करने की मानसिकता लालच, प्रेम ने बढ़ाई है. किसी को भी लूटने वाले प्रवृत्ति रखने वाले व्यक्ति चैन से मर भी नहीं पाता है. इसलिए प्रेम और खुशियां बांटते हुए जियो ताकि मौत के बाद लोग गाली देकर आपके जीवन को कलंकित न करें. तुम्हारे अच्छे कर्म ही तुम्हारे साथी बनते हैं, बाकी सब आभास है. उम्र के 40 के बाद से स्वयं की बुराईयां खत्म करते हुए नेक इंसान बनने का प्रयास करें. किसी की नजर में ठगी से बड़ा घात नहीं हो सकता है.

विदर्भ स्वाभिमान
जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

नीलवर्ण,आजानुबाहू चेहरा करता है प्रसन्न

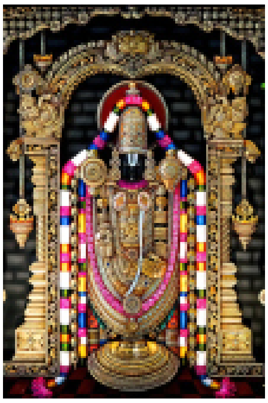

गतांग से आगे - सुंदर लक्ष्मी को देखकर श्रीहरि ने भी अपना वेश बदल लिया, मनुष्य रूप धारण कर लिए. वे कैसे हैं नील वर्णवाले, आजानुबाहू, आह्लाद चेहरेवाले, काले बालवाले, विशाल ललाटवाले, कंबू कंठवाले मंगलकरने वाले,नीरजाक्ष, विशाल वक्षवाले, सिंहकटिवाले, कोटि मन्मथ आकारवाले, बहुत सुंदर मंदस्मित चेहरेवाले, सुकुमार पुरुष देखनेवाले स्त्रियों को मोहित करनेवाले विट पुरुष हैं. श्रीहरि का यह वेश सबके लिए बहुत सुंदर है. इसके अतिरिक्त वे अनेक आभरणों से सुशोभित सर की पगड़ी पर रत्न चमक रहे हैं. गले के फूलों की मालाएँ भुजाओं पर फैल रही है. साफ किए हुए सफेद धोती उनके शरीर पर सुंदर लग रही है. उनकी इस सुंदरता को देखते ही बनता है. सुगंध परिमलयुक्त लेपन उनके वक्ष पर लगाया गया है. उसके ऊपर मोतियों की माला चमक रही है. मोतियाँ,रत्म, हीरे नीले रंग के पत्थर आदि जटित होने से उनके शरीर के आबरणों से कांति विकीर्ण हो रही है.कानों में कुंडल हिल रहे हैं. काश्मीर शॉल ओढ़ा हुआ है. अपने इस वेश से सबको वे सम्मिहित कर रहे हैं. ललाट पर चंदन का तिलक ,जैसे पूर्णचंद्रमा पूर्ण कलाओं के साथ चमक रहे हों दांतों की कांति विचित्र रूप से विकीर्ण हो रही है. मानो वे हीरों की पंक्ति को भी पराजित कर रहे हों . मुँह में कर्पूर तांबूल सेवन के कारण उनके ओं ठ लाल-लाल बिंब फलों को लज्जित कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त नासिका पर मोती लगा हुआ है. उसके दोनों तरफ शरीर का नील रंग चमक रहा है . उनकी नवंकुर चमकनेवाली मंछे सुंदर लग रहे है. उनके शरीर की चमक ऐसी थी कि मानो घने मेघों के बीच में बिजली चमक रही हो . हाथों में सोने के कड़े चमक रहे हैं. वाम हस्त में छुचुरी पकड़े हुए है. दाएँ हाथ से धवल वस्त्र को हिला रहे हैं. शरणागत वत्सल आर्तजनों के उध्दार करने की उपाधि रखनेवाले श्रीहरि पैरों में कड़ियों समेत चल रहे है. ऐसे पुरुष वेशधारी हरि नखरे करते हुए सुंदर कामिनी जैसी लगनेवाली लक्ष्मी से मिलकर पादुकाएँ पहन कर उस यज्ञ को

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-11, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.दसवीं किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

देखने चले आ रहे है. इस रूप में सिरि और हरि दोनों अपने-अपने वेश बदल कर वहाँ संपन्न होनेवाले यज्ञ को देखने पधारे हैं.

विप्र जनों की ऊहाएँ- इस रूप में चले आ रहे सिरि और हरि को देखकर विप्र जन सोच में पड़ गए कि वे कौन हैं. बाहर से उनसे सवाल किया. वनितामणी के साथ मिलकर आने वाले वे कौन हैं महिमावान वसंत माधव तो नहीं है. नल, जयंत नलकुबर , इंद्र चंद्र या शिव भगवान तो नहीं हैं इस महाजंगल में इस समय क्यों आये हैं उनसे विकीर्ण होनेवाली कांति गगन दिग्भाग में फऐल रही है. वे विप्र हैं या क्षत्रिय हैं विप्र के लिए आवश्यक यज्ञोपवीत चिह्न के रूप में लटक रहा है. क्षत्रिय के लिए वाम हस्त में आयुध धारण किया हुआ है. व्यवहार के लिए साथ में सुंदर स्त्री को लाये हैं. यह कहते वे सब उनकी तरफ आश्चर्य से देखने लगे. तब हरि यज्ञकुंड के पास पहुँच गए. विप्रों के बीच में सिरि के साथ बैठ गए.उनसे संवाद करने लगे.उनकी शरीरों से विकीर्ण होनेवाली कस्तुरी गंध मुनियों की नासिकाओं में फैल गयी. तब उन्होंने पद्म दलाक्ष की ओर देखकर इस रूप में कहा.

विप्रों का श्रीहरि से संवाद-हे महाराज आपका कौन-सा गाँव है, आपका नाम क्या है. आपके माता-पिता कौन हैं. आप यहाँ क्यों आये हैं यहाँ इस वन में हम यज्ञ करनेवाले हैं. हम पर दया करके हमारे इसे कार्य में आप सहायता कीजिए. हमारा रक्षक बनकर असुर ,चोर मृगादि के भय से हमें मुक्त कीजिए. हम जैसे तापसियों को आप जैसे राजाओं की जरूरत है.यही धर्म पध्दति है. इसलिए हे निर्मलात्मा !आप यहाँ रहते हुए हम से यज्ञ कराइए. विप्रों की बातें सुमकर हंसते हुए चक्री ने उनसे कहा.मैं राजा नहीं हूँ. न ही मैं विप्र हूँ.आखिर मैं वैश्य या शरद्र भी नहीं हूँ. मेरे माता -पिता नहीं हैं. इस धरती पर मेरे लिए कोई वास नहीं है.मैं सर्वस्थलों में सर्वरक्षक बनकर घूमता रहता हूँ . मैं सगुण हूँ और नाम, वर्णाश्रम विहीन हूँ.चक्री के इस रूप में कहने से विप्रों ने यह कहा- हे महात्मा आपकी बातें इस समय हमारी समझ में नहीं आयीं. आप के साथ रहनेवाली यह स्त्री कौन है, पूछने पर हरि ने मंदस्मित होकर उनसे इस रूप में कहा. मेरे लिए मैं अकेला हूँ. मेरे लिए कोई नहीं है. मैं अकेला हूँ. मुझे अकेले पाकर इस जंगल में मोहिनी के रूप में मुझे इस यानादी स्त्री ने पकड़ा है. हम दोनों साथ-साथ बात करते आप मुनियों को यहाँ देखकर आपके पास चले आये हैं. यहाँ आप क्या-क्या करते गीत किस रीति से गा रहे हैं. यौदुंबर शाखओं को पकड़कर उन के नामों के साथ देवताओं का आह्वान क्यों कर रहे हैं आपकी यह पशु हिंसा किसलिए है. अब आप ही बताइए. इस रूप में हरि के पूछने पर उन कर्मनिष्ठ मुनियों ने बताया. **शेष अगले अंक में**

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

फाइल फोटो 2023 का

चोरडिया परिवार द्वारा 23 वर्षों से जारी है जलसेवा

अमरावती- शहर के सुख्यात समाजसेवी और भवन निर्माता चोरडिया परिवार द्वारा पिछले 23 साल से शुरू मां की स्मृति वाली श्री महावीर पाणपोई जहां राहगीरों की प्यास बुझा रही है, वहीं इसके माध्यम से पुण्य का बेहतरीन प्रकल्प चलाने के लिए नवीन चोरडिया परिवार का सदैव अभिनंदन किया जाता है. महावीर जयंती से इसका शुभारंभ होता है और गर्मी में शीतल जल की सेवा देने में यह सदैव अग्रणी रहती है. निःस्वार्थ भाव से यह सेवा दो दशक से अधिक समय से प्यासों की प्यास बुझाते हुए मानवता की सेवा में योगदान का जहां एहसास कराती है, वहीं आत्मीयता के साथ चोरडिया परिवार सदैव सेवा के कार्य मैं अग्रणी रहता है.

इस साल भी इसका शीघ्र शुभारंभ होकर यह प्याऊ जनसेवा में लोकार्पित होगा.मां स्व. पद्माबाई चोरडिया की स्मृति में महावीर प्याऊ का शुभारंभ किया गया. प्याऊ का 2003 से आज तक पूर्व मंत्री डॉ. सुनील देशमुख के हाथों ही उद्घाटन होता रहा है.

मानवता की सेवा को ईश्वरसेवा मानकर काम करने वाले शहर के सुख्यात उद्यमी, भवन निर्माता तथा सेवाभावी कामों में अग्रणी चोरडिया परिवार द्वारा गर्मी में प्यासों को राहत देने के लिए जयस्तंभ चौक पर श्री महावीर पाणपोई का संचालन किया जाता है.पूज्य मां स्व. पद्माबाई पारसमलजी चोरडिया की स्मृति में श्री महावीर पाणपोई का शुभारंभ शीघ्र ही होकर यह जनता की सेवा में समर्पित होगी. शीतल जल के साथ ही कई बार छाछ तथा अन्य का वितरण भी यहां होता है.जिसका रोज हजारों की संख्या में नागरिक लाभ लेते हैं.

विकास तथा जनसेवा में सदैव अग्रणी नेत्री

राधाताई कुरील ने सदैव जनता को दिया है महत्व,विकास पर जोर

विदर्भ स्वाभिमान,2 अप्रैल

अमरावती- सेवाभाव के साथ विकास का विजन रखने वाली नेत्री राधा कुरील जहां पार्टी मजबूती के कार्यों में अग्रणी रहती हैं, वहीं उन्होंने नगरसेविका के रूप में सदैव बेहतरीन काम करने का प्रयास किया है. शहर की पूर्व पार्षद महिलाओं के कार्यों को जनता तक पहुंचाने के लिए विदर्भ स्वाभिमान द्वारा प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने जहां राजनीति में बेहतरीन काम किया, वहीं सामाजिक स्तर पर भी सदैव प्रयासरत रहती हैं. व्यापक संपर्क के साथ ही क्षेत्र के मतदाताओं के साथ सदैव संपर्क में रहती हैं. उनकी समस्याएं हल करने का भी सदैव प्रयास करती हैं.

भाजपा नेत्री राधा कुरील पार्टी की जितनी समर्पित पदाधिकारी हैं, उतनी ही विकास को समर्पित नगर सेविका रह चुकी हैं. स्थायी समिति की अध्यक्ष रहते समय प्रभाग ही नहीं तो शहर में विकास के कई कामों को अंजाम देने वाली राधा कुरील पार्टी मजबूती के लिए भी सदैव योगदान देती हैं. उनका कहना है कि आज राजनीति क्षेत्र का रूप बदल गया है. छोटे से गांव में जन्मी और पढ़ी-लिखी और स्वयं के बलबूते अपना स्थान शहर में बनाने वाली राधा कुरील मुसीबतों, संघर्षों को जीवन में सफलता का सूत्र मानती हैं. उनका कहना है कि जिस तरह से सोने में तपने के बाद ही चमक आती है, उसी तरह व्यक्ति द्वारा किए गए प्रयासों के बाद ही सफलता का स्वाद मिलता है. कई लोग बहुत बुद्धिमान बताते हैं लेकिन जीवन में ऐसा कुछ नहीं दिख पाता है, जिससे उन पर भरोसा किया जाए. क्षेत्रवासियों के दुख-दर्द को सुनने तथा इसका निराकरण करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाली जूझारू नेत्री के रूप में जहां उनकी प्रतिमा है, वहीं भाई लखनराज का हर मोड़ पर साथ और मार्गदर्शन का गौरवपूर्ण जिक्र करना नहीं भूलती हैं. उनके मुताबिक संघर्ष का नाम ही जिंदगी है. कुछ प्राप्त करने के लिए भी मेहनत की जरूरत होती है.

समस्याओं को लेकर हर व्यक्ति परेशान है. लेकिन इतना भी सच है कि दुनिया में हर तरह से परिपूर्ण कोई नहीं रहता है. फर्क समस्याओं की गंभीरता को लेकर हो सकता है. लेकिन समस्याओं से जूझने का माद्दा जो लोग रखते हैं, उन्हें कोई भी समस्या कभी त्रस्त नहीं कर पाती है.गरीबों को प्रोत्साहित करने के साथ ही सदैव हिम्मत बढ़ाने का काम करती हैं. उनका मानना हैं कि पूरी दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जिसे कोई समस्या नहीं हो. लेकिन इसके साथ ही दुनिया में ऐसी कोई समस्या भी नहीं है, जिसका समाधान नहीं हो. मेहनत, लगन, संघर्ष ही सफलता की कुंजी है. उनके मुताबिक सुख-दुख को देखकर कभी विचलित नहीं होना

विदर्भ स्वाभिमान

चाहिए. समूचे जगत के पालनहार भगवान राम को भी परिस्थितियों ने नहीं छोड़ा, भगवान कृष्ण को नहीं छोड़ा तो हम किस खेत की मूली हैं.

माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देन वाली राधाताई कुरील के मुताबिक दिल से किया गया कोई भी काम फेल नहीं हो सकता है. इसलिए अपनी कमियों को ताकत बनाकर देखने वाला व्यक्ति कभी पीछे नहीं रहता है. सभी को उच्च शिक्षा के माध्यम से बुलंदी हासिल करने की सलाह वे देती हैं.

प्रभाग में करोड़ों के विकास काम जनता द्वारा नगर सेविका के रूप में सेवा का मौका देने को महत्वपूर्ण बताने वाली राधाताई कुरील ने कहा कि वे स्वयं को नगर सेविका नहीं बल्कि प्रभाग के हर नागरिक का परिजन मानते हुए समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर रहती हैं. उनका मानना है कि सभी के सहयोग से ही विकास होता है. राजापेठ प्रभाग में करोड़ों रूपए के विकास काम करने की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि वे लोगों को सहजता से उपलब्ध रहती हैं. लोगों के दुःख दन्द को सुनकर उसका निराकरण करने का प्रयास करती हैं. प्रभाग में करोड़ों रूपए का विकास करने का दावा करने के साथ ही कहा कि कई खुले मैदानों को सजाने का काम किया. रास्ते, नाली के रूप में लोगों की समस्या हल करना उनकी प्राथमिकता होती है. मिलनसार, सादगी पसंद रहने के कारण किसी भी संकट का मुकाबला करने के लिए तत्पर रहती हैं. उनके मुताबिक आत्मीयता, प्रेम और सहयोग की भावना रखने वाला कभी भी पीछे नहीं जाता है. जनता की सेवा के साथ ही मानवता की सेवा को सर्वोच्च मानने वाली राधा कुरील कहना है कि दी गई सही तरीके से निभाना भी किसी पूजा से कम नहीं है. इसलिए समस्याओं का रोना रोने की बजाय उनके समाधान की दिशा में सदैव प्रयास करने की सीख वे देती हैं.लोगों के विश्वास,अपनेपन को ही अपनी उपलब्धी मानने वाली राधाताई कुरील को शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

आपने भी नगर सेविका के रूप में जो कार्य किया है, उसकी जानकारी, आपके प्रभाग में किए गए विकास कामों की जानकारी देने के साथ ही सामाजिक स्तर पर आपके काम की जानकारी भी हमें दे सकते हैं, सुविधा तथा जगह की उपलब्धता के मुताबिक स्थान दिया जाएगा. कार्यालय में पहुंचकर साक्षात्कार देकर भी आप अपने कार्यों की जानकारी दे सकते हैं. इस माध्यम से उसे लाखों लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा.

संपर्क के लिए मोबाइल नं.

9423426199/8208407139

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें.

छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर

9423426199,

8855019189

जिले की जुझारू, कर्मठ महिला सांसद हैं सौ. नवनीत रवि राणा

प्रतिनिधि, 2 अप्रैल

अमरावती- जिले का यह सौभाग्य है कि हमारे जिले को अभिनेत्री रहने के बाद भी गर्व से कोसों दूर रहने वाली, गरीबों, जरूरतमंदों, आदिवासियों के साथ ही हर गरीब तबके के लिए जननायक की भूमिका निभाने वाली सांसद मिली हैं. पूर्व सांसद सौ. नवनीत राणा की मातोश्री का देहांत होने के कारण इस बार पहली बार राणा दम्पति होली की खुशियां आदिवासियों को नहीं बांट सका लेकिन उनके कार्यों और उनकी हार पर आज भी हजारों लोगों को मलाल है. वे मानते हैं कि अमरावती विकास में पांच साल पीछे चला गया है. वक्तृत्व कला के साथ ही नवनीत राणा जनता के हर वर्ग की समस्याओं को समझने तथा उनका निराकरण करने के लिए सदैव तत्पर रहती थीं.

पूर्व सांसद के बाद भी आज भी जिले की समस्याओं को लेकर वैसे ही सक्रिय हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित दिग्गज

नेताओं के साथ उनके संबंध और जिले के विकास के लिए जिस तरह से उन्होंने स्वयं को झोंका है, वह अपने आप में अनूठा है. जिले के विकास के लिए वे जहां प्रयासरत रहती हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबों, दीन-दलितों पीड़ितों पर होने वाले अन्याय के लिए वे आक्रामक हो जाती हैं. हनुमान चालीसा के मामले में तत्कालीन सरकार से पंगा लेने का काम केवल उनके जैसी जिगरबाज नेत्री ही कर सकती है. संसद में जिस तरह से वे जनता की समस्याओं को मुखरता से रखती थीं, उसे देखकर किसी को यह नहीं लगता है कि चकाचौंध की दुनिया से एकदम राजनीति में प्रवेश करने और दूसरे ही चुनाव में लाखों की आबादी का प्रतिनिधि बनने वाली सांसद सौ. नवनीत रवि राणा नई साबित हुई. हर विषय पर गहन अध्ययन के साथ कई भाषाओं का ज्ञान जहां उन्हें भीड़ में भी अलग स्थान देता है, वहीं उनकी सादगी का दर्शन नवरात्रोत्सव के दौरान अमरावती जिले ने जनता हमेशा ही करती है. बिना जाति-धर्म का भेदभाव किए उनका मानना है कि दुनिया में केवल मानव धर्म आवश्यक है. जिले की वीवीआईपी रहने वाली सांसद नवनीत राणा झोपड़पट्टियों में भी दुर्गा मंडलों में वहां की महिलाओं के साथ भक्तिभाव से गरबा करने में कभी संकोच नहीं करती. उनके जन्मदिन 6 अप्रैल पर हार्दिक शुभकामनाएं.

संस्कार,सहयोग,नेकी की जननी थीं मातोश्री

आदरांजलि : आनंद परिवार की करूणामयी मातोश्री श्रीमती सुगनबाईजी गांग

ज़ीवन में जो आया है, उसका जाना तय होता है. जन्मदिन के तारीख पर ही विधाता के रजिस्टर में वापसी का दिन तय हो जाता है. लेकिन जीने की कला और जाने की कला दुनिया में जिस दिन सभी को पता चल जाएगी, असली मायने में उसी दिन से दुनिया ही स्वर्ग बन जाएगा. बडनेरा निवासी पूज्य श्रीमती सुगनबाईजी पुखराज गांग धार्मिकता से जहां ओतप्रोत महिला थीं , वहीं मां की ममता हर गरीब तथा घर आने वाले पर लुटाती थी. स्थितियों से जूझने का जहां एक ओर उनमें सदैव माद्दा रहा, वहीं दूसरी ओर पूरे परिवार को आदर्श संस्कार देने की भूमिका भी निभाई. आज आनंद परिवार अगर व्यवसाय के साथ ही सेवाभावना का केन्द्र बना है तो मुझे लगता है कि इसका पूरा श्रेय पूज्य मातोश्री को जाता है. जिन्होंने अपनी समझबूझ से जहां परिवार को संभाला वहीं परिवार के हर सदस्य के साथ ही बाहर से आने वाले हम मेहमान में नर में नारायण और नारी में नारायणी देखते ह ुए उसकी यथासंभव मदद करने वाली भावना सदैव रहती थी. परिवार में बेटों का प्रेम,बेटियों का प्रेम जहां है, वहीं दूसरी व्यवसाय के साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में आनंद परिवार का योगदान उनका कार्य अपार है. इसका पूरा श्रेय मातोश्री के संस्कारों को ही जाता है. आनंद परिवार द्वारा सामाजिक क्षेत्र में जिस तरह का योगदान सदैव दिया जाता है, मातोश्री की 4 अप्रैल को तीसरी पुण्यतिथि पर आनंद परिवार, गोविंद कासट मित्र मंडल तथा विदर्भ स्वाभिमान परिवार की विनम्र आंदरांजलि. आज वह भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं. लेकिन मातोश्री के आदर्श विचारों पर ही आज भी आनंद परिवार आगे बढ़कर समाज तथा राष्ट्र के कल्याण के कार्य में अपना योगदान दे रहा है.

13 अप्रैल 1932 में उनका जन्म हुआ था. बचपन से ही धार्मिकता से ओतप्रोत महिला थीं. साहसी के साथ ही किसी गरीब को लेकर उनका लगाव अलग ही था. उनके स्वभाव तथा अतिथि देवो भव की परम्परा का निर्वहन आज भी बेटे द्वारा किया जा रहा है. किसी व्यक्ति में भगवान देखने की इस परिवार की अदा ही हटकर है, यह कहना गलत नहीं होगा. जो लोग भी बडनेरा में सुदर्शन गांगजी के यहां जाते हैं, इसका सहजता से अनुभव करते हैं. तीन पीढ़ियों में एक साथ इस तरह की आत्मीयता आसान नही होती है. लेकिन यह भी उतना ही सही है कि जिस परिवार की संस्कार की डोर मां के हाथ होती है, उसमें निश्चित ही तरक्की होती है.

समूचे विश्व में मां की ममता ही ऐसी है, जो अनमोल है, जिसका पूरा जीवन अर्पित करने के बाद भी मोल नहीं हो सकता है. मातोश्री श्रीमती सुगनबाईजी पुखराजजी गांव धार्मिकता से परिपूर्ण महिला थी. उनके ही आदर्श संस्कारों के कारण गांग परिवार न केवल बडनेरा सेवाभावना के लिए समूचे भारत में सुख्यात हुआ है. धार्मिकता से ओतप्रोत रहने वाली मां सुगनबाई को ममता की मूरत कहना गलत नहीं होगा. पूरे जीवन उन्होंने कभी भी अपने पराए का भेद नहीं किया. यही कारण है कि उनके ही आदर्श संस्कारों , विचारों की विरासत समाजसेवी, सेवाभावी और जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहने वाले सुदर्शन के साथ ही सभी भाई सुगनचंद, धरमचंद, सुदर्शन, जवाहर, मनोज गांग के साथ ही आनंद परिवार को जिस तरह से विषम स्थितियों में भी उन्हों ने संभाला और आज न केवल व्यवसाय बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी पहुंचाया, इससे उनकी महानता का अंदाजा लगाया जा सकता है.आए हैं तो जाएंगे,राजा रंक फकीर लेकिन मातोश्री की आत्मीयता, किसी से भेदभाव नहीं करने वाली अदा आज भी याद की जाती है. उनकी पुण्यतिथि पर आनंद परिवार द्वारा विभिन्न सामाजिक उपक्रम चलाए जाते हैं, अन्नदान, जरूरी साहित्य का वितरण, गौशाला में सेवा जैसे कार्यक्रम में तीन पीढ़ियों का उत्साह देखने लायकरहता है. मातोश्री की 4 अप्रैल को तीसरी पुण्यतिथि पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार का विनम्र नमन, विनम्र आदरांजलि. आपकी दिव्य आत्मा को प्रभु अपने चरणों में स्थान दें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क,अम.

परशुराम जन्मोत्सव की तैयारी जोरों पर,सभी प्रयासरत

विभिन्न झांकियों के साथ ही सप्ताह भर हों गे विभिन्न कार्यक्रम, सभी का मिल रहा है सहयोग-विक्की शर्मा करेंगे नेतृत्व

विदर्भ स्वाभिमान, 2 अप्रैल

अमरावती- अखिल भारतीय विदर्भ प्रांत अध्यक्ष श्री रमेश उर्फ पप्पू छांगाणी तथा अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ जिल्हा अध्यक्ष डॉ. शशांक दुबे इनके मार्गदर्शन में अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ अमरावती शहर जिला की गत दिनों हुई बैठक में ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव अभूतपूर्व तरीके से मनाने तथा सर्वशाखीय ब्राह्मणों को इसमें जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है. इसके चलते इस बार की भगवान परशुराम शोभायात्रा अभूतपूर्व तथा शानदार रहने का विश्वास जताया जा रहा है. संयोजक विक्की उर्फ विजय पुरूषोत्तम शर्मा के नेतृत्व में समूचा ब्राह्मण समाज इसे शानदार बनाने के लिए लगातार बैठक कर रहा है, इसके साथ ही इस बार शोभायात्रा में विभिन्न झांकियों का समावेश होगा. इसके साथ ही राष्ट्र धर्म सबसे बड़ा धर्म रहने का जहां संदेश दिया जाएगा, वहीं दूसरी ओर समाज की एकता के कारण ही कोई भी समाज मजबूत होता है, इसका भी परिचय कराया जाएगा. इसको लेकर समस्त ब्राह्मण समाज में उत्साह के साथ ही कार्यक्रम में योगदान देने को लेकर भी सभी का सहयोग मिल रहा है.

समाज के तेजी से उभरते युवा व्यक्तित्व विक्की उर्फ विजय पुरूषोत्तम शर्मा को परशुराम शोभायात्रा समिति के संयोजक के रूप में आम सहमति से चुना गया. उनकी सराहना करते हुए अभिनंदन किया जा रहा है.

पिछले दिनों इस बारे में हुई बैठक में संयोजक के रूप में चुने गए विक्की शर्मा ने विदर्भ स्वाभिमान को बताया कि इस बार सभी शाखाओं को जोड़ने के साथ ही विभिन्न झांकियां, श्याम बाबा के भजन के साथ ही सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रम चलाया जाएगा. गणोरकर मठ, खापर्डे बगिचा यहा दिलीपदादा गणोरकर इनकी अध्यक्षता मे संपन्न हुई. प्रस्तुत बैठक में आगामी परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा आयोजन हेतू चर्चा की गई. विशेष उल्लेखनीय बात यह है की, अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ अमरावती शहर जिल्हा के पदाधिकारीयोकी सर्व संमती से, अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ अमरावती जिल्हा युवक अध्यक्ष विक्की उर्फ विजय पुरुषोत्तम शर्मा इनकी परशुराम शोभायात्रा समिती के संयोजक पद पर नियुक्ती की गई . विक्की शर्मा यह गत अनेक वर्षो से शैक्षणीक, सामाजिक, सांस्कृतीक तथा क्रीडा क्षेत्र मे उल्लेखनीय कार्य कर रहे है . गौरतलब रहे की, गौड ब्रह्मण युवक मंडल के वह भूतपूर्व अध्यक्ष रह चुके है . समाज हित के लिये भी विक्की ने अनेक सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्य जैसे की, होली मिलन, नीव समर कॅम्प, नीव क्रिकेट टुर्नामेंट, श्री परशुरामजी जन्मोत्सव निमित्त सुख-शांती वृध्दाश्रम मे किराण वाटप, होली मिलन, रुद्र अभिषेख जैसे कार्यो का समावेश है . इसीके साथ स्थानिक काली माता मंदिर से जुड़े हुए है. सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्य के साथ ही विक्की यह राजनिती में भी उल्लेखनीय कार्य कर रह है तथा वर्तमान मे विक्की शर्मा भारतीय जनता युवा मोर्चा के विद्यार्थी आघाडी शहर अध्यक्ष पद पर कार्यरत है . विक्की शर्मा के सामाजिक, धार्मिक, क्रीडा तथा सांस्कृतिक क्षेत्र मे उल्लेखनीय कार्य को देखते हये, अखिल भारतीय ब्रम्हण महासंघ ने सर्व संमती से परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा समिती 2025 के संयोजक पद पर विक्की शर्मा की नियुक्ती की गई है . इस उपलब्धी का श्रेय विक्की अपने पिता, धर्मपत्नी, भाई बंधु तथा मित्र परिवार को देते है. परशुराम जन्मोत्सव 2025 के उपलक्ष्य मे साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन जिसमे श्यामबाबा भजन संध्या, नृत्य स्पर्धा, स्वास्थ्य जांच शिबीर, वृक्षारोपण, पेरेंटिंग सेशन, अन्नदान जैसे

उपक्रमो का समावेश रहने की बात विक्की शर्मा ने कही. प्रस्तुत बैठक मे अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ शहर अध्यक्ष गणेश जोशी (गुरूजी), महासचिव गोपाल दबे, सहसचिव राजेश तिवारी, महिला जिल्हाध्यक्ष डॉ.मोना चिमोटे, युवती शहर अध्यक्ष ज्योति शर्मा, जितेंद्र शर्मा, संतोष शुक्ला, मनोज सेवक, अमित शर्मा, राहुल वाठोडकर, रमेश दुबे प्रयासरत हैं.

विज्ञापन प्रतिनिधि
चाहिए
विदर्भ स्वाभिमान
महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.
– संपर्क –
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती
मो. 9423426199, 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान
वार्ड संवाददाता चाहिए
अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.
संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

मै ज़िंदगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को धुएं में
उड़ाता चला गया
ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़ न
महसूस हो जहां
मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया
जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
जो खो गया मैं उस को
भुलाता चला गया
बर्बादियों का सोग मनाना
फ़ज़ूल था
बर्बादियों का जश्न
मनाता चला गया

उत्तम सेवक और रामभक्त हैं संकटमोचन हनुमानजी

अष्ट सिद्धी,नौ निधि के दाता को जन्मोत्सव पर झूमेगा पूरा देश, हनुमानजी बल,बुद्धि के हैं सागर

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

सनातन धर्म का बढ़ता प्रभाव सराहनीय

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक आज सनातन धर्म की महत्ता जिस तरह से तेजी से बढ़ रही है, वह अपने आप में बड़ी बात है. इतना ही नहीं तो श्रीराम नवमी के बाद हनुमान जन्मोत्सव को लेकर जिस तरह से अपार हर्ष लोगों में देखा जा रहा है, वह निश्चित ही बदलती स्थिति का सबूत है. इसकी आज अत्याधिक आवश्यकता है. संकटमोचन हनुमानजी जहां कलयुग के देवता हैं, वहीं बल और बुद्धि दोनों के सागर हैं. मां सीता द्वारा वरदान प्राप्त आठों सिद्धियों और नौ निधियों के दाता हैं. बच्चों को बचपन से हनुमान चालीसा का पाठ करना सिखाएं, कभी मुसीबत में नहीं आएंगे.

भक्ती,सेवा के आदर्श उदाहरण हैं संकटमोचन

अमरावती- प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त और भक्ती, सेवा, बल और बुद्धि के सागर संकटमोचन हनुमानजी की जन्मोत्सव पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं. उनका आशीर्वाद सभी के जीवन को तारता है. कहते हैं कि जहां प्रभु श्रीराम की भक्ती होती है, वहां हनुमानजी किसी न किसी न किसी रूप में विराजमान होते हैं. ठीक वैसे ही सबसे प्रिय भक्त हनुमानजी की भक्ति, भजन अथवा अन्य धार्मिक कार्यक्रम जहां होता है, वहां भक्त वत्सल प्रभु श्रीरामजी किसी न किसी रूप में उपस्थीत रहते हैं. यह एक-दूजे के पर्याय बने हैं. सनातन धर्म का बढ़ता महत्व न केवल देश के लिए बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों के कल्याण का काम करने वाला है. प्रभु के काम के लिए ही हनुमानजी का जन्म हुआ था. यही कारण था कि उन्होंने प्रभु के हर काम को सही तरीके से अंजाम दिया. स्वयं प्रभु श्रीराम ने इस बात को स्वीकार किया और उन्हें अपने छोटे भाई जैसे स्थान दिया. हनुमान चालीसा का आज भी मन से जाप करने और प्रभु संकटमोचन का नाम लेने मात्र से विपत्तियां दूर हो जाती हैं. लेकिन इसके लिए दिल से भक्ति चाहिए. दुनिया को दिखावा पसंद है,हनुमानजी को दिल से भक्ती. उनकी दिल से की गई भक्ति कभी बेकार नहीं जाती है. सब सुख लहे तुम्हारी सरना, तुम रच्छक काहू को डरना का भरोसा उन्होंने अपने भक्तों को दिखाया है. हनुमान जन्मोत्सव को लेकर जिस तरह से शहर के साथही जिले में अपार उत्साह है, वह अपने आप में बड़ी बात है. आज बच्चों से लेकर युवाओं में भक्तिभाव बढ़ रहा है, यह हिन्दुस्तान की बदलती छवि का जहां परिचायक है, वहीं हमारी गौरवमयी संस्कृति और धार्मिकता का परमोच्च उदाहरण है.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

गुरूवार 3 से 9 अप्रैल 2025

मेष

ज़ीवन में सभी की भावनाएं समझते हुए काम करने का प्रयास करें. आपका कोई काम नहीं रूकेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ

यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन

छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. वाहन चलाने में गड़बड़ी भारी पड़ सकती है.

कर्क

यह सप्ताह आपके लिए नई उम्मीदों वाला हो सकता है. ऐसे में समझदारी से हर काम को निपटाने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ

सप्ताह में मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही अपने काम पर समर्पण के साथ ध्यान देना होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए हितकर होगा. नाहक के विवाद से बचें .

मीन

भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

अंबानगरी में सर्वत्र भक्तिभाव का माहौल

श्रीराम नवमी, हनुमान जन्मोत्सव के साथ महावीर जयंती की तैयारियां तेज

विदर्भ स्वाभिमान,2 अप्रैल

अमरावती-शहर के साथ जिले में श्री राम नवमी से लेकर हनुमान जन्मोत्सव को लेकर लोगों में अपार उत्साह है. संकट मोचन हनुमान मंदिर रवि नगर, महारुद्र मंदिर अंबा बिहार तथा वल्लभनगर स्थित श्री हनुमान युवक मंडल द्वारा संचालित हनुमान मंदिर सहित सभी मंदिरों में हनुमान जन्मोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. बडनेरा के मारोती शिव मंदिर में 30 मार्च से श्री रामचरितमानस नवान्ह पारायण का कार्यक्रम शुरू हो गया है. इसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हो रहे हैं.

रवि नगर हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव तथा श्री रामनवमी पर्व पर लगातार कई दिनों तक कार्यक्रम होता है. संगीत में भजन के साथ हनुमान चालीसा का पाठ तथा अन्य कार्यक्रमों का बड़ी संख्या में भक्त लाभ ले रहे हैं.

श्री राम नवमी तथा हनुमान जन्मोत्सव के अलावा भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर भक्ति शुरू से सजा हुआ वीर स्पर्श न महोत्सव का आयोजन किया गया है. जैन संस्कार युवा मंच तथा जेपीपी जैन महिला फेडरेशन का यह संयुक्त प्रयास है इस

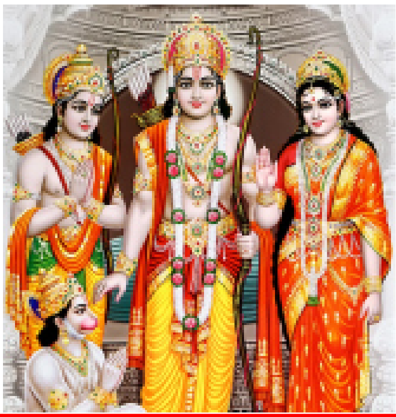

कार्यक्रम में सभी जैन बंधुओ से शामिल होने तथा लाभ लेने का आग्रह राजेंद्र भंसाली तथा अन्य मान्यवरों ने किया है.रविनगर के साथ ही वल्लभनगर में भी श्रीराम नवमी तथा हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम भव्य पैमाने पर मनाया जाने वाला है. भक्तों से इसमें शामिल होने तथा लाभ लेने का आग्रह मंदिर ट्रस्ट द्वारा किया गया है. वल्लभनगर मंदिर में 6 को शीतल जल मशीन लोकार्पित होने वाली है, जो भक्तों को सुविधा देगी. आनंद परिवार की मानवसेवी पहल के तहत यह मशीन लाई गई है, इसका लोकार्पण श्रीराम नवमी के पावन मौके पर होने की जानकारी मंदिर के सेवाधारी राजेश सोलव ने दी. मशीन की फिटिंग का कार्य चलने की जानकारी भी उन्होंने देकर भक्तों से लाभ लेने का भी आग्रह किया.भक्तिपूर्ण माहौल सर्वत्र है.

हर घर में होना चाहिए हनुमान चालीसा

अमरावती- सनातन धर्म को मानने वाले तथा इसमें विश्वास रखने वाले हर व्यक्ति के घर में बच्चों को आदर्श तथा बलवान बनाने के साथ ही मानसिक रूप से मजबूती के लिए हर घर में हनुमान चालीसा का पाठ किया जाना चाहिए. श्रीराम नवमी तथा हनुमान जन्मोत्सव पर यह करने के बाद आपके घर में सकारात्मक उर्जा का क्या असर पड़ता है, इसका अनुभव स्वयं ही कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान द्वारा सभी देशवासियों को अनन्य रामभक्त, कलयुग के देवता के साथ ही आठों सिद्धियों और नौ निधियोंके दाता संकटमोचन हनुमान जन्मोत्सव पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. राम नवमी के अपार उत्साह के बाद प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमानजी का जन्मोत्सव सभी द्वारा अपार भक्तीभाव से मनाया जा रहा है. पवनपुत्र सहित अनेकों नामों से पूजित हनुमानजी की कृपा जिस पर होती है, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं होता है. पवन तनय बल पवन समाना, बुधि, विवेक विज्ञान निधाना सहित परमोच्च गुणों की खान पवनपुत्र हनुमान हैं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

मौसम में कैसा भी बदलाव क्यों नहीं आता है लेकिन शीतपेय के बेस्ट दुग्धपूर्णा का टेस्ट सदैव बेस्ट ही रहता है, एक बार अवश्य आजमा लें...

तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक, अमरावती

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

हिन्दू शेरनी की ख्याति मिली जिन्हें देशभर में

जन्मदिन 6 अप्रैल पर विशेष, सादगी सभी को भाती है

अमरावती -राजनीति में नीति,तत्व और सिद्धांतों का कोई महत्व नहीं है. पद तथा सत्ता के लिए इसे छोड़ते हुए कई नेताओं को देखा गया है लेकिन अमरावती की देशभर में सुख्यात हिन्दू शेरनी अमरावती की दिल्ली में अपना कद बढ़ाने वाली और सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा वरिष्ठ नेताओं के साथ करीबी संबंध और विकास के लिए निधि खीं चकर लाने की ताकत रखने वाली पूर्व पूर्व सांसद, जिले में अभी भी उसी सम्मान को प्राप्त करने वाली सौ. नवनीत रवि राणा ने कभी कुर्सी के लिए सिद्धांत नहीं बदले. हिन्दुत्व को समर्पित रहने के बाद भी सभी जाति के गरीबों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहती हैं. यही कारण है कि उन्हें चाहने वालों की संख्या मुस्लिम समाज में भी भरपूर है. वे कहते हैं कि राणा दम्पति के जितना सामाजिक काम किसी का नहीं चलता है. बात किसी भी त्यौहार की हो, उनके यहां जाने वाला कोई भी खाली लौटता नहीं है.लाखों का भरोसा जीतने के बाद भी कुछ हजार वोटों से हारने के बाद भी आज भी लोग उन्हें पूर्व सांसद से बढ़कर सम्मान देना निश्चित ही उनके कार्यों की पावती है. आज भी जनसेवा पूरे दिल से करती हैं. यही उनकी विशेषता है, यही उन्हें आसमानी ऊंचाई देगा, इतना तय है.

जिले का नाम दिल्ली के माध्यम से पूरे विश्व में चमकाने वाली और विकास के साथ ही जनभावनाओं की कद्र करने वाली पूर्व सांसद के रूप में नवनीत राणा का उल्लेख किया जाता है. सादगी, गरीबों, किसानों तथा सभी वर्गों की मदद के लिए तत्पर के साथ जिले के विकास में अग्रणी रखने वाली सौ. नवनीत राणा को 6 अप्रैल को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें और जनता की सेवा इसी तरह सदैव करती रहीं और अमरावती का नाम चमकाती रहें, यही कामना. आज नेताओं को लेकर लोगों में नाराजी अक्सर देखी जाती है, वे पहली ऐसी पूर्व पूर्व सांसद हैं जिन्हें बेहतरीन इन्सान के रूप में सभी सम्मान देते हैं. वे कहती हैं कि जनता का जितना प्यार उन्हें मिला है, उसके लिए वे स्वयं को भाग्यशाली मानती हैं. काम को ही सदैव महत्व देने वाली सौ. नवनीत राणा के मुताबिक वे जनता को ही अपना गॉडफादर मानती है. इसलिए उनकी समस्या केनिराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहती हैं. उनका कहना है कि अच्छा करने वाले का कभी बुरा नहीं होता है.

देश में आज सबसे अधिक नाराजी नेताओं को लेकर नागरिकों में रहती है. नेता भी किसी न किसी घोटाले अथवा अन्य गलत कामों में लिप्त रहने के कारण उनकी प्रतिमा मलिन हो रही है. लेकिन अमरावती जिले के लिए यह सौभाग्य की बात है कि संघर्षों से जूझते हुए मुकाम हासिल करने वाली और दबंग नेताओं को चोट पहुंचाते हुए दूसरे ही चुनाव में लोकसभा की सदस्या बनने वाली सौ. नवनीत रवि राणा को आम लोगों की आम पूर्व सांसद के रूप में न केवल अमरावती जिला बल्कि पूरे देश में जाना जाता है.फौजी पिता की बेटी के मुताबिक राष्ट्र प्रेम तथा राष्ट्रीयता की भावना उन्हें विरासत में मिली है.यही कारण है कि उनके लिए जीवन में राष्ट्र धर्म सर्वप्रथम रहता है. राष्ट्र की

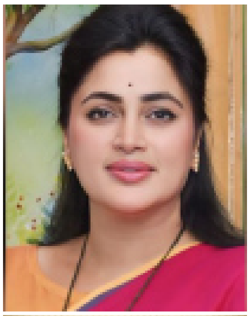

भक्ति करने वाले लोगों के साथ उनकी बहुत अच्छी पटती है. वे कहती हैं कि राष्ट्रप्रेम की भावना जिस दिन सभी देशवासियों में आएगी, उसी दिन भारत विश्व का महागुरू बन जाएगा. सम्पन्नता में सादगी की जहां वे प्रतिमूर्ति हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबों के दर्द को समझती हैं. वे कहती हैं कि जीवन में संघर्षपूर्ण स्थिति ही राह दिखाती है. उनकी सादगी का आलम यह रहता है कि दुर्गा उत्सव मंडलों में पूर्व सांसद रहने के बाद भी महिलाओं के साथ रास-गरबा वाली बात हो अथवा आदिवासी बहुल मेलघाट में आदिवासियों के साथ होली तथा रंगपंचमी खेलने की बात हो, उन्होंने कभी संकोच नहीं किया है. महिलाओं ही नहीं बल्कि युवाओं, बुजुर्गों की चहेती अभिनेत्री के रूप में उन्होंने लाखों लोगों के दिलों में स्थान बनाया है. प्रभु श्रीराम तथा हनुमानजी की अनन्य भक्त विधायक रवि राणा और सौ. नवनीत राणा की इस जोड़ी ने हनुमान चालीसा के मामले में तत्कालीन सरकार को खुली चुनौती देते हुए जेल में जाना पसंद किया लेकिन अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे. वे कहती हैं धर्म से आचरण और आचरण से संस्कार के साथ ही मन प्रसन्न रहता है. उनका स्पष्ट कहना है कि जो रामजी या हनुमानजी का नहीं है, वह किसी काम का नहीं है. इस मामले में जेल भोगने के बाद भी हार नहीं मानने वाली पूर्व सांसद नवनीत राणा जहां संवेदनशील नेत्री हैं, वहीं सख्त रवैया अख्तियार करने वाली तथा विकास का विजन रखने वाली नेत्रीभी हैं. बातचीत में जहां अपूर्व उत्साह से वे भरी रहती हैं, वहीं जिले के विकास को लेकर जज्बा अलग रहता है. वे कहती हैं कि जीवन में जितना संभव हो, अच्छे काम, मानवता की सेवा के काम को करने का प्रयास करना चाहिए.

आज के दौर में स्वार्थ की दुनिया में जहां हर व्यक्ति अपने स्वार्थ में लगा रहता है, वहीं कई लोग ऐसे भी हैं, जो इससे हटकर होते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं जिले के विकासार्थ लगातार प्रयासरत रहने वाली जनता की पूर्व सांसद सौ. नवनीत रवि राणा. जिले को विकास के मामले में सदैव आगे रखने के लिए जहां वे प्रयासरत रहती हैं, वहीं निराधारों, गरीबों, किसानों के हित के लिए सदैव संसद में आवाज उठाती हैं. वीवीआईपी रहने के बाद भी उनकी सादगी सभी को प्रभावित करती थी, आज भी उनका रूतबा वही है. जहां भी जाती हैं, लोगों की भीड़ जम जाती है. वे कहती हैं कि उनके लिए पद नहीं बल्कि जनता का प्रेम बड़ी ताकत है.सौ. नवनीत राणा बचपन से ही संवेदनशील रही हैं. फिल्मी चकाचौंध के बाद जब राजनीति के क्षेत्र में भी कदम रखा तो इस क्षेत्र में भी सबसे आगे रहने वाली उनकी अदा सभी को भा रही है. अमरावती ही नहीं तो अभिनेत्री के रूप में देशभर आत्मीयता, अपनेपन की जहां वे प्रतिमूर्ति हैं, वहीं विपरीत स्थितियों में भी किस तरह खुश रहा जा सकता है, इसकी जिवंत उदाहरण हैं. अपनी तकलीफों को भूलकर दूसरों की चिंता करने वाली महिला हैं. हम कामना करते हैं कि उनकी सभी बलाएं दूर होकर वे खुश, दीर्घायुषी हों, प्रभु चरणों में यही कामना. जन्मदिन पर दीदी आपको अग्रिम ढेर सारी शुभकामनाएं. आपकी हर चाहत पूरी हो. माता रानी के चरणों में यही कामना. जहां सादगी के लिए वे जानी जाती हैं, वहीं जिले के सर्वां गीण विकास के साथ ही युवा स्वाभिमान पार्टी द्वारा जनोपयोगी उपक्रमों के लिए भी पहचानी जाती हैं. विधायक पति रवि राणा जननेता के रूप में न केवल जिले बल्कि विदर्भस्तर पर जहां लोकप्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पूर्व सांसद नवनीत राणा ने जनता के हित के साथ ही गर्व से कोसों दूर रहती हैं. महिलाओं के अधिकारों के साथ ही गरीबों , निराधारों तथा दिव्यांगों के लिए भी संसद में लगातार आवाज उठाती हैं. वे कहती हैं कि लोगों द्वारा सेवा का जो मौका दिया गया है, वे उसका सोना करने का प्रयास करती हैं.उन्हें जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना. वे कहती हैं कि सेवाभाव कभी झुकने नहीं देता है और समर्पण से काम कभी पीछे नहीं हटने देता है. इसलिए सदैव अच्छा करतें रहें.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

शुभेच्छुक- इन्फीनिटी एन्टरप्राइजेस, अमरावती.

जनता का अपार प्रेम मेरी सबसे बड़ी ताकत-नवनीत राणा

अमरावती - ज़ीवन में माता-पिता के आशिर्वाद, पति विधायक रवि राणा के साथ तथा जनता के अपार प्रेम का कर्ज कभी नहीं उतार सकती हूं. राजनीति में पद आते हैं, जाते हैं, मेरे जीवन में इसका अत्याधिक महत्व नहीं है. लेकिन मैं भाग्यशाली समझती हूं कि मेरी हार पर लाखों अमरावतीवासियों को दुःख है और उनका मानना है कि अमरावती जिला विकास में 5 साल पीछे चला गया है. राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं होता है लेकिन मैं भाग्यशाली हूं कि बिना किसी खानदानी परिवार की रहने के बाद भी अमरावतीवासियों ने मेरे पति रवि राणा और मुझे सदैव अपार प्रेम दिया. इसके लिए जनता का कोटि-कोटि धन्यवाद. जब तक जनता की ताकत मेरे साथ है, तब तक मैं अमरावती जिले के विकास के साथ

ही विदर्भ के विकास के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करती रहूंगी. इन शब्दों में अपार लोकप्रिय नेत्री और अभी भी दिल्ली में वजन रखने वाली भाजपा नेत्री सौ. नवनीत रवि राणा ने कहा. उनके जन्मदिन पर हर साल गंगासावित्री निवास में जिस तरह से नेताओं का तांता लगता है, वह अपने आप में अद्भुत रहता है. यह प्रेम ही मेरे लिए सबसे बड़ी दौलत रहने की बात कही. उनके मुताबिक आज भाजपा नेत्री के रूप में देशभर का दौरा करने तथा चुनाव प्रचार करने का सौभाग्य उन्हें ही मिला है. देश को विकास के मामले में अग्रणी ले जाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह के साथ सभी भाजपा नेताओं का है. इसमें एक-एक कदम आगे बढ़ रहे हैं, देशवासियों का अपार साथ भाजपा की ताकत है.

शुभेच्छुक- युवा स्वाभिमान पार्टी की विभिन्न शाखाएं, अमरावती.

सुदर्शन गांग एक प्रोफेसर जो प्रोफेसर नहीं है

आप लेख का शीर्षक पढ़कर आश्चर्यचकित हो सकते हैं. लेकिन यही तथ्य है. यह व्यक्ति वास्तव में एक उद्यमी है. लेकिन एक प्रोफेसर से अपेक्षित सभी गुण उसमें हैं और इसलिए अमरावती के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक क्षेत्र में और बैंकिंग क्षेत्र में भी इस व्यक्ति का अच्छा नाम है. उन्होंने न केवल अमरावती, बल्कि महाराष्ट्र, बल्कि पूरे भारत में भगवान महावीर के संदेश को फैलाने का ईमानदारी से प्रयास किया है.

बडनेरा के प्रोफेसर कॉलोनी निवासी सुदर्शन गांग (जैन) अमरावती के लोगों के लिए कोई अपरिचित नाम नहीं है. यदि आप उनके पास जाएँगे, तो आप उनके शानदार दिव्य अध्ययन कक्ष और पुस्तकालय को देखकर आश्चर्यचकित हो जाएँगे. उनके पास एक अलग मंजिल पर एक बड़े सभागार में पुस्तकालय और अध्ययन कक्ष है. उन्होंने जानबूझकर इसे घर की ऊपरी मंजिल पर ले जाया है, ताकि अन्य लोग पढ़ाई, लेखन और पढ़ने के दौरान इसमें हस्तक्षेप न करें. उन्होंने इसके लिए घर की पूरी मंजिल का इस्तेमाल किया है.

उनके पुस्तकालय में सभी प्रकार की पुस्तकें हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने वे सभी पुस्तकें पढ़ी हैं. मैंने इसे सिर्फ पढ़ा ही नहीं है. अतः इन्हें सही स्थानों पर रेखांकित किया गया है. उनमें से कई पर उन्होंने स्वयं नोट्स बनाए हैं और उन्हें संरक्षित भी किया है. उनके पास कम से कम पाँच हज़ार पुस्तकें होंगी. सभी किताबों को आलमारी में बेहतरीन ढंग से रखा गया है.उन्होंने बैठने और पढ़ने के लिए बहुत सुविधाजनक व्यवस्था की है. जब भी वह किसी व्याख्यान में जाते हैं, तो स्वयं नोट्स लेते हैं और अपने भाषण में उस पाठ्यपुस्तक में वर्णित घटनाओं का उल्लेख करते हैं जिसका उन्होंने अध्ययन किया है.

कई घरों में ग्रंथों को आभूषण के रूप में रखा जाता है. आपके पास भी किताबें हैं लेकिन अगर आप सर्वेक्षण करें कि उन्हें कितना पढ़ा गया है या उन्हें कितना संभाला गया है, तो यह बहुत कम होगा. मैं कई कॉलेजों में जाता हूं. यह यहां के पुस्तकालय में होता है. मैं किताबें संभालता हूं. तभी मुझे पता चला कि एक भी पाठक ने अभी तक इस पुस्तक को साझा नहीं किया है. किताबें खाली हैं.

उन्होंने अध्ययन के लिए अपने उद्योग, सामाजिक कार्य और धार्मिक कार्यों से समय निकाला है. उन्होंने सिर्फ नोट्स बनाना ही नहीं छोड़ा बल्कि उन्हें वास्तविक कार्य में भी लगाया. यदि आप कोई पुस्तक निकालकर सुदर्शनजी से उसके बारे में पूछें तो वे आमतौर पर उसके बारे में आधे घंटे तक बात कर सकते हैं.

भगवान महावीर के विचारों से प्रभावित सुदर्शन गांग की विद्वता,नैतिकता,आत्मीयता, नर में नारायण देखने वाली अदा ही सबसे जुदा है. गहन ज्ञान के साथ विनम्रता की खूबी उनमें ही हो सकती है.

उन्होंने भगवान महावीर का संदेश फैलाने के लिए पूरे भारत की यात्रा की है. जिस समय वाहन उपलब्ध नहीं थे, उस समय उन्होंने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों का उपयोग किया था. और उन्होंने सुबह से शाम तक अलग-अलग गांवों और अलग-अलग संस्थाओं में जाकर भगवान महावीर के अच्छे कार्यों को फैलाने और परोपकार का संदेश और सच्चे जीवन का संदेश फैलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है.

श्री सुदर्शन जैन जितने सतर्क हैं, उतने ही व्यस्त भी हैं. कल मैं पुणे से चला. वाघोली में ड्राइवर ने गति थोड़ी धीमी कर ली और मैंने देखा कि सड़क के दाहिनी ओर जैनियों का एक बड़ा स्कूल है. मैंने ड्राइवर से कहा कि गाड़ी इस स्कूल तक ले चलो. कार में बैठे दूसरे दोस्तों ने कहा-सर, मैं इस स्कूल में किसी को नहीं जानता.मैंने कहा, तम्हें परिचितों की क्या जरूरत है? यह जैन समाज के धार्मिक श्री शांतिलालजी मथा, सुदर्शन जैन का स्कूल है जो आपके मित्र हैं. आओ हम उससे मिलें. मैं वहाँ गया. मैंने अपना परिचय दिया और उस स्कूल में तीन व्याख्यान दिए तथा उसकी तस्वीरें फेसबुक पर पोस्ट कीं. जल्द ही मझे सुदर्शन जैन का फोन आया जिन्होंने कहा-सर आप मेरे स्कूल में पहुंच गये हैं. मैं तो यह भी नहीं जानता. मैंने उनसे कहा-सर, यहां आइए और तीन भाषण दीजिए. इतना समय बीत गया है कि मझे तुम्हें फोन करने का समय नहीं मिला. लेकिन मैंने पुणे के पास भाषण दिया और उन्होंने तुरंत अमरावती को देख लिया. यह तथ्य मेरे लिए बहुत मूल्यवान था. दरअसल, मझे अपने एक प्रोफेसर मित्र के रिश्तेदार प्रोफेसर का फोन आना चाहिए था.यदि आप उनके पास जाते हैं, चाहे आप परिचित हों या नहीं, तो आपको बहुत सम्मान दिया जाता है और भोजन आपको बड़े प्रेम, आत्मीयता और कोमलता के साथ परोसा जाता है.पहला आईटम खत्म होने के पहले ही दूसरा तैयार रहता है.जैन धर्म के अनुसार तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण भोज होता है. जब आप उनके प्रसन्नचित्त स्वभाव और उनके द्वारा बड़ी विनम्रता के साथ आपके प्रति दिखाए गए सम्मान को देखते हैं तो आप इसे नकार नहीं सकते. क्योंकि सुदर्शन जैन ने अपनी वाणी, व्यवहार और आचरण के माध्यम से जिस विनम्रता और नम्रता को व्यक्त किया है, वह निश्चित रूप से आपको सम्मोहित करती है. मूर्ख बनने का कोई कारण नहीं है. ऐसी विनम्रता आने में कई वर्ष लग जाते हैं. इसकी कोई गारंटी नहीं है कि यह आएगा. लेकिन सुदर्शन ने उस कला को समझ लिया है. हालांकि देहात में रहने वाला यह व्यक्ति आज अमरावती शहर के पास बसा हुआ है, लेकिन उसके मन में किसानों, गांवों और गरीबों के लिए प्रेम है और इसलिए उसके पास आने वाला कोई भी व्यक्ति खाली हाथ नहीं लौट सकता, ऐसा मझे लगता है. एक साथ कई भूमिकाएँ निभाने वाले सुदर्शन जैन की लाइब्रेरी को भेंट देना चाहिए. बहुगुणी व्यक्ति के कारण प्रोफेसर नहीं रहने के बाद भी प्रोफेसर का शीर्षक लेख को दिया है. यह लेख भी उनके व्यक्तित्व के लिए सागर में गागर जैसा ही कहना गलत नहीं होगा.

प्रा.डॉ.नरेशचंद्र काठोळे
संचालक,मिशन आईएएस
अमरावती.
मो. 9890967003

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार , अमरावती.

संघर्ष में तपकर सोना हुए हैं अमृतराव सदार

आज अमृत महोत्सवी जन्मदिन पर विशेष

जीवन में कामयाबी उन्हीं को मिलती है, जो संघर्ष की तैयारी को जीवन का हिस्सा बना लेते हैं. अमृतराव सदार भी ऐसे ही व्यक्ति हैं, जिनका जीवन किसी फिल्मी पटकथा के जैसे है. बचपन में पिता का असामायिक देहांत होने के बाद परिवार की जिम्मेदार कंधों पर आने के बाद अथक मेहनत,ईमानदारी और काम के प्रति समर्पण से न केवल स्वयं को संवारा बल्कि परिवार को संवारने का काम किया. आज सदार परिवार के बेटे नौकरी के साथ सामाजिक कामों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं. उनके 5 अप्रैल को अमृत महोत्सवी जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

मानव जीवन पाषाण युग में शुरू हुआ और लाखों वर्षों तक जारी रहा. पाषाण युग में मानव ने विज्ञान की सहायता से सम्पूर्ण पृथ्वी पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया था तथा जीविका के लिए कंद-मूल खाकर अपना जीवनयापन किया था. लेकिन मनुष्य अभी तक जन्म और मृत्यु पर विजय नहीं पा सका है. इस जन्म और मृत्यु के बीच जो है उसे जीवन कहते हैं. जन्म के बाद एक व्यक्ति कितने समय तक जीवित रहता है? वह कैसे जिया, यह अधिक महत्वपूर्ण है.

बचपन से ही आदर्श संस्कारों के धनी रहने वाले और सदैव नेक विचारों पर चलने वाले अकोट तहसील के लामकानी नामक छोटा सा गांव हैं.गजानन महाराज के मंदिर वाले पवित्र क्षेत्र मुंडगांव से मात्र चार या पांच किलोमीटर दूर इस छोटे से गांव में उनका जन्म हुआ था. यहां तक कि खरीदारी करने के लिए भी आपको मुंडगांव तक पैदल जाना पड़ता था. क्योंकि उस समय यातायात का कोई साधन उपलब्ध नहीं था. बाजार जाने के लिए छोटी नदी पार करनी होती थी. उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा पांचवीं कक्षा तक अमृतराव सदर के लामकानी में पूरी की. उनका जन्म अत्यंत नाजुक परिस्थितियों वाले परिवार में हुआ था. अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही पिता आकारामजी सदार की असामयिक मृत्यु के कारण उन्होंने स्कूल छोड़ दिया. उन्होंने दस वर्ष की आयु से ही अत्यन्त कठिन खेती और श्रम करना शुरू कर दिया था. माता-पिता को बुजुर्गों के लिए आठ पैसे और बच्चों के लिए चार पैसे के लिए पूरे दिन काम करना पड़ता था. ऐसे ही कष्टों से गुजरते हुए वे युवा हुए और गांव के जगदेव पहलवान के साथ व्यायाम और अखाड़ेबाजी में उनका जुनून विकसित हुआ. अत्यधिक परिश्रम और व्यायाम से उन्होंने मजबूत शरीर बना लिया था. बाद में नौकरी के लिए प्रयास करने के बाद चिखलदरा के शासकीय विद्यानिकेतन में उन्हें नौकरी मिली.उन्हें नौकरी के रूप में 78 रूपए का वेतन प्रतिमाह मिलने लगा. नौकरी मिलने के बाद भी उन्होंने व्यायाम और कड़ी मेहनत करना नहीं छोड़ा. बाद में उन्होंने चिखलदरा के नारायणराव वानखड़े की सुपुत्री विमल के साथ उनका विवाह हुआ.

चिखलदरा के शासकीय विद्यानिकेतन के छात्र विलास रसाल की भीमकुंड घाटी में गिरने से उसकी असामयिक मौत हो गई थी. इसके बाद सरकारी विद्यानिकेतन को अमरावती में स्थानांतरित किया गया. तभी से अमृतराव सदार अमरावती के स्थायी निवासी बन गए. उन्हें भजन, गायन, हारमोनियम और तबला बजाने, व्यायाम और कुश्ती का बहुत शौक था और वे विद्यानिकेतन के विद्यार्थियों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए. यही कारण है कि विद्यानिकेतन के कई पूर्व छात्र आज भी व्हाट्सएप और फेसबुक के माध्यम से उनसे लगातार संपर्क में हैं.

उनके चार बच्चे हैं, दिलीप, राहुल, सीमा और संदीप. उनकी पत्नी श्रीमती विमल के यहां की भी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं रहने के कारण बचपन में वह शिक्षा प्राप्त नहीं कर पायी. लेकिन स्कूल में अपने दोस्तों से उन्होंने लिखना, पढ़ना, जोड़, घटाना और गुणा की सभी क्रियाएं सीख ली हैं. अपनी नौकरियों के साथ-साथ वे दोनों सिलाई का काम भी करते थे, बाद में डेयरी व्यवसाय और बागवानी में भी काम करने लगे. सदार दम्पति ने अपने चारों बच्चों को अच्छी प्राथमिक शिक्षा दिलाई, दिलीप सदार विश्व प्रसिद्ध श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के वीर वामनराव जोशी प्राथमिक विद्यालय के आदर्श प्रधानाध्यापक हैं. वह डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल के साथ मिलकर सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं. शिक्षादान के साथ ही समाजसेवा में भी योगदान देते हैं.राहुल सदार अमरावती आईटीआई में प्रशिक्षक हैं. जबकि संदीप एक सॉफ्टवेयर कंपनी में बड़े पद पर है. सीमा भी अमरावती की ही निवासी हैं और गृह उद्योग का व्यवसाय चलाती हैं. पुत्र-पुत्रियों ने भी पिता का नाम रोशन किया. दिलीप, राहुल और संदीप सभी उत्कृष्ट गायक हैं और संगीत के प्रति उनके पिता जैसा ही जुनून है. संदीप एक उत्कृष्ट गिटारवादक भी हैं. आज, चारों बच्चे विवाहित हैं माता-पिता के साथ खुशी-खुशी रह रहे हैं. अमृतराव सदार को उनके पूरे परिवार और रिश्तेदारों द्वारा उनके अत्यंत प्रेमपूर्ण और विनम्र स्वभाव के कारण प्यार किया जाता है. उन्होंने अपना पूरा जीवन सभी प्रकार से सेवा कार्यों के लिए समर्पित कर दिया है, जिसमें विद्यानिकेतन के अनेक विद्यार्थियों को अपने छोटे से वेतन से सहायता प्रदान करना, अमरावती में अपने घर से ही अनेक विद्यार्थियों की शिक्षा पूरी कराना तथा कठिनाई के समय अस्पतालों में काम करना शामिल है. कामाठी के रूप में काम करते हुए उन्होंने विद्यानिकेतन के सभी विद्यार्थियों के खाने-पीने और उनकी शिक्षा का गंभीरतापूर्वक ध्यान रखा. इसलिए वे विद्यानिकेतन के अभिभावकों के बहुत प्रिय थे, यहां तक कि सेलर के प्रमुख के रूप में उनकी पदोन्नति के बाद भी छात्रों के प्रति उनकी सेवा वैसी ही बनी रही.

29 मार्च 2013 को श्रीमती विमल और अमृतराव सदार ने अपनी शादी की सालगिरह मनाई है. तो शनिवार 5 अप्रैल 2025 को अमृतराव सदार उम्र के 75 वसंत पूरे करेंगे. इस अवसर पर उनके पूरे परिवार ने यश कॉलोनी स्थित उनके आवास पर अमृत महोत्सव समारोह का आयोजन किया है.

उनके अमृत महोत्सव के अवसर पर ईश्वर उन्हें स्वस्थ, सुखी, समृद्ध एवं दीर्घायु प्रदान करें तथा उनकी सभी इच्छाओं,आकांक्षाओं एवं मनोकामनाओं को पूर्ण करें, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और परिवार तथा समाज का मार्गदर्शन करते रहें, उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं.

दिलीप अमृतराव सदार
मुख्याध्यापक
मो. 9011032545

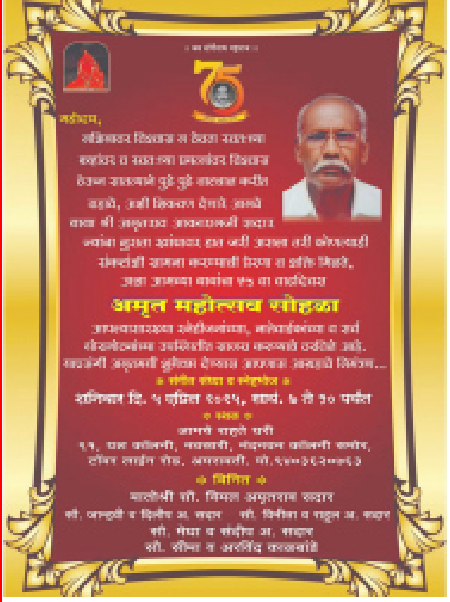

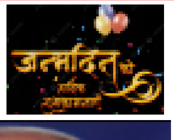

अमृत महोत्सवी जन्मदिन

बचपन से ही आदर्श संस्कारों के धनी,मेहनत,ईमानदारी,समर्पण के साथ आदर्श परिवार प्रमुख तथा संगीत प्रेमी

अमृतराव आकारामजी सदार

के 75वें जन्मदिवस पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

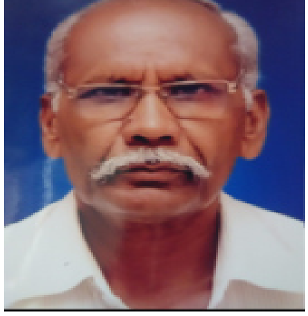

शुभेच्छुक
समस्त सदार परिवार,डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल,अमरावती.